

— अतिप्र *hinübergeben*: °दाय *LĀṬJ.* 5,9,5.
 — अनुप्र *übergeben, überlassen*: °दास्यामि *SADDH.* P. 4,20, b. 21, a. —
 Vgl. अनुप्रदान.
 — उपप्र *dass.*: °दास्यामि: *ÇAT.* Br. 4,6,4, 14. — Vgl. उपप्रदान.
 — प्रतिप्र 1) *wieder herausgeben*: राज्यं प्रतिप्रदास्यामि *MBh.* 5,5525.
 — 2) *überantworten*: इयं कैवैनं बधाय प्रतिप्रदावनया कैवैनं प्रतिप्रतं ब-
 धुः *ÇAT.* Br. 2,5,4,7. — Vgl. प्रतिप्रदान.
 — संप्र *übergeben, abtreten, geben*: किरण्यं संप्रदायं षोडशिना स्तुवते
PAÑĀV. Br. 12, 13. प्रेष्याः संप्रदायं *MBh.* 4,7362. तदर्कमासनं तस्मै संप्रदाय
 यथाविधि । गो चैव मधुपर्कं च संप्रदाय 2, 148. 4, 1140. 5, 4776. 7, 2342. R.
 2, 32, 23. *MĀK.* P. 37, 12. अकृत्यकृति चाप्येवं याचतां संप्रदायते *MBh.* 3,
 5581. तं (कामं) ते ऽहं संप्रदास्यामि *gewähren* 1, 3346. संप्रदायैव तेषाम्
 (कामं) *überlassen* 5, 793. *med. übergeben* Schol. zu *KĀṬJ.* Çr. 263, 9. 365,
 1. 800, 3. *übergeben, überliefern* (was man von seinem Lehrer gelernt
 hat): प्रणाम्य भगवत्पादान् श्रीधरादींश्च सद्गुरुन् । संप्रदायानुसारेण गीता-
 व्याख्यां समारभे ॥ *Verz. d. Oxf. H.* 1, b, 13. संप्रदात्त *übergeben, mitge-
 theilt*: अस्त्रशिक्षा *MBh.* 6, 5535. असंप्रदात्ता *nicht zur Ehe gegeben* *HARIV.*
 11006 (p. 790). Vgl. संप्रदात्व्य, संप्रदान, संप्रदानीय, संप्रदाय. — *caus. zu
 geben befehlen*: तस्य यानं च दासीश्च सौमित्रे संप्रदापय R. 2, 32, 16. 21. —
desid. geben wollen: मरुद्भ्यः संप्रदित्सो चकार *Nir.* 1, 5.
 — प्रति 1) *zum Ersatz geben, heimgeben, zurückgeben*: इकैव सत्तः प्र-
 तित् दक्ष एनत् *AV.* 6, 117, 2. *ÇAT.* Br. 5, 4, 3, 12. प्रतिदास्यामि — पुल्लिङ्गं
 तव *MBh.* 5, 7492. °दास्ये 12, 3290. °दास्यन्ति 3291. 14, 2660. देयं वा प्र-
 तिदीपयताम् *HARIV.* 15092. R. 5, 47, 20. संदेशं प्रतिदास्यामि विश्वोः *HARIV.*
 7250. नोक्तं वचः प्रतिददाति यदैव पूर्वम् *als sie nicht antwortete auf das
 was man ihr sagte* *MAHABH.* 36. निमिः प्रतिददौ शायं गुर्वे *BALG.* P. 9, 13,
 5. — 2) *geben*: निवृत्तः प्रतिदास्यामि भोजनं ते *MBh.* 1, 6721. R. 5, 68, 29.
 जयं ते प्रतिदास्यामि *MBh.* 7, 6976. Vgl. अप्रतीत्त, प्रतिदान. — *caus.
 dafür sorgen dass Etwas zurückgegeben werde*: सत्यंकारकृतं द्रव्यं द्वि-
 गुणं प्रतिदापयेत् *JĀĀ.* 2, 61.
 — वि *austheilen, vertheilen*: दक्षिणां व्यददात्तेषां कर्मिणां तदनन्तरम् ।
 प्राचीं क्षेत्रे ददौ u. s. w. R. *GORA.* 1, 13, 39. विदत्त *KĀR.* zu P. 7, 4, 47.
 — सम् 1) *gemeinsam geben, — schenken*: सर्वाः संगत्य वीरुषो ऽस्यै
 सं दत्त वीर्यम् *RV.* 10, 97, 21. सम्ममे इषं वसवो ददीरन् 7, 48, 4. तत्सर्वं स-
 म्दुर्मकामितत् *AV.* 3, 22, 1. अग्निः सूर्यं अयो मेधा विश्वे देवाश्च सं ददुः 12,
 1, 53. संदत्त ममाभयम् *MBh.* 7, 2618. — 2) *zusammenhalten*: उत्तराह्वा सो-
 मः सं ददति *AV.* 12, 3, 24. — 3) *med. pass. sich versammeln (?)*: मा वा-
 मन्ये नि यमन्देवयत्तः सं यद्दे नामिः पूर्या वाम् *RV.* 4, 44, 5. यद्द क्राणा
 विवस्वति नामां सदायि नव्यसी 4, 139, 1 (*SV. v. l.*).
 2. दा (= 1. दा) m. *Geber*: क्रवा दा अस्तु अष्टः *RV.* 6, 16, 26. Hierher
 auch nach *SĀJ.* der dat. दे 5, 41, 1. Am Ende eines comp. *gebend, ver-
 leihend*: s. अनुश्रु, अनुशीर्दा, अयानं, अभिन्नं, अश्रु, आत्मं, आयुर्दा,
 अज्ञो, गो, चतुर्दा, जनि, प्राण, बल, वसु, रुविर्दा u. s. w. —
 Vgl. 1. द.
 3. दा (दा, दौ), दैति *DĀITUP.* 24, 51. द्यैति 26, 39. P. 7, 3, 71. (समव) द-
 दिरे; aor. अदात् P. 2, 4, 77. *VOP.* 11, 3. prec. देयात् P. 6, 4, 67. *VOP.* 11,
 3. pass. दीयते; partic. दात (*AK.* 3, 2, 53), दित (*P.* 7, 4, 40. *VOP.* 26, 119.
AK. 3, 2, 53. H. 1489) und दिर्न; nach vocalisch auslautenden praep. auch
 Theil III.

त. Verwandt mit द्युः *abschneiden, mähen* *Nir.* 2, 2. अग्निर्द दिति रोमो
 पृथिव्याः *RV.* 1, 63, 8 (4). कुविद्ङ्ग पर्वमत्तो पर्वं चिद्यथा दात्यन्पूर्वं विप्यं
 10, 131, 2. स हि ष्मा धन्वातिर्त् दाता न दात्या पशुः 5, 7, 7. अर्किसत्त श्रो-
 षधीर्दानु पर्वन् *AV.* 12, 3, 31. *KAUC.* 1. 61. दायात् *KĀṬJ.* 31, 1. दिनस्य
 यवस्य *RV.* 8, 67, 10. पशुषि दिनम् *TBr.* 4, 6, 6, 6. उपमूलं दिनानि *ÇAT.* Br. 2, 4,
 3, 17. स्वयंदिनं बर्हिः *TS.* 1, 8, 3, 3. लोमानि केशा दीयते *Schol. zu RAGH.*
 3, 33. दातं बर्हिः *P.* 7, 4, 46, Sch. 1, 1, 20, Sch. सोमः कला लभे तपे दिताः
sich ablösend *BALG.* P. 6, 6, 23. Das partic. दात hat *Lassen* in *DHŪRTAS.*
 67, 3 zu finden geglaubt, aber daselbst ist aufzulösen: दाता (nom. von
 1. दातर) अत्र °. — *desid. दित्सति* P. 7, 4, 54. — *intens. देदीयते* P. 6, 4, 66.
 — अग्नि *abschneiden*: भिनवि मुष्कावपिं ध्यामि शेषः *AV.* 4, 37, 7.
 — अत्र 1) *abschneiden, abtrennen, abtheilen*; häufig vom *Abtheilen*
 des Opferkuchens und anderer Gegenstände der Darbringung. *Z. d. d.*
m. G. IX, LXIV. पदन्यस्मिन्यज्ञे सुच्यवद्यति सर्वं तदगौ जुहोति *ÇAT.* Br. 2,
 3, 1, 21. 1, 5, 3, 25. 7, 2, 20. 4, 9. वयाम् 3, 8, 3, 26. हृदयस्वैवाप्रे ऽवद्यति 2,
 15. 16. 13, 2, 19. 3, 4, 2. *KĀṬJ.* Çr. 2, 6, 40. *KAUC.* 45. एकादश पशोरव-
 दानानि सर्वाङ्गिभ्यो ऽवदाय *ĀCV. GAUJ.* 1, 11. कृषिषो ऽवदीयमानस्य *AIT.*
Bu. 2, 10. *KĀṬJ.* Çr. 6, 8, 9. तांश्च ताश्च ते पशव इह निरुता यमसदने यात-
 यतो रत्तोगणाः सैनिका इव स्वधितिनवादायामुक्पिबन्ति *zerstückeln*
BALG. P. 5, 26, 31. — 2) *Jmd abfertigen*: अत्र स्तोमिभौ हृद्दिषीय *RV.* 2,
 33, 5; vgl. द्युः mit अत्र. — Vgl. अत्रत्त, चतुर्वत्त, 1. अत्रदान.
 — अत्रयव *dazu hin abtheilen* *ÇAT.* Br. 2, 5, 3, 40. — Hierher gehört
 अभ्यवदान्य.
 — निरव *Jmd seinen Theil geben, Jmd mit Etwas abfertigen*; mit
 dopp. acc.: देवान् वीरं निरवदायामि पुनराद्यते *TS.* 1, 5, 2, 1. ganz *ver-
 theilen, austheilen*; partic. निरवत्त *ÇAT.* Br. 2, 3, 2, 11. *KĀṬJ.* Çr. 9, 9, 12.
 — पर्यव *ringsum Stücke abtrennen*: (पुरोडाशम्) समत्तं पर्यवद्यति *TS.*
 2, 3, 3, 4.
 — व्यव *vertheilen*: व्यवदायाम्भन्ति *KAUC.* 66. 68.
 — समव *zertheilen und die Stücke sammeln*: सर्वस्य समवदायं जुहो-
 ति *TBr.* 1, 3, 3, 2. *ÇAT.* Br. 2, 6, 4, 32. °द्येयुः 33. त्रयाणां ह वै कृषिषां स्व-
 ष्टकृतेन समवद्यति सोमस्य धर्मस्य वाजिनस्येति *AIT.* Br. 1, 22. इडाम् *ÇAT.*
Bu. 2, 5, 3, 40. 1, 7, 4, 9. 8, 2, 13. सव्ये समवदाय *in der linken Hand die
 Stücke sammelnd* *KĀṬJ.* Çr. 5, 9, 19. ते देवा जुष्टास्तनूः प्रियाणि धामानि
 सार्धं समवददिरे *stückweise zusammenlegen* *ÇAT.* Br. 3, 4, 3, 5. 8. 9. समव-
 त्त 1, 8, 1, 17. °धानी 3, 8, 3, 13. *KĀṬJ.* Çr. 25, 7, 30.
 — आ *zerstückeln, zerkleinern, zermalmen*: अमित्रानां ध्यामि *AV.* 6,
 104, 1. °द्य 2. °द्यताम् 3. अथा सपत्न्यान्माम्कान्मेस्तेजोभिरादिषि (bes-
 ser wohl आ दिषि 2. conj.) 13, 1, 30.
 — परिणि, °द्यति P. 8, 4, 17, Sch.
 — प्राणि, °द्यति P. 8, 4, 17, Sch. 1, 1, 20, Sch. प्रणयदात् *VOP.* 11, 3.
 — निम्, partic. निर्दित P. 7, 4, 40, Sch. — Vgl. निर्दातर.
 — परि *ringsum beschneiden*; परित्त *beschnitten, unvollständig, be-
 grenzt*, im Gegens. zu अग्रमाणा *BURN.* Lot. de la b. l. 396. *Intr.* 611. 612.
BURNOUR führt die Form auf 1. दा zurück.
 — वि 1) *zerstückeln, zerkleinern, zermalmen*: सोमं विद्यद्विर्वाविभिः सु-
 तम् *VS.* 26, 4. — 2) *abtrennen, lösen, befreien von*: विद्यत्येनं सर्वस्मा-
 त्पाप्मनः *ÇAT.* Br. 14, 8, 3, 1; könnte auch zu 4. दा gezogen werden. —